ॐ

~~~~~~~~~~~~

विद्या भवन,बालिका विद्यापीठ,लखीसराय।

कक्षा-नवम् विषय -हिन्दी

दिनांक-24/06/2020 क्षितिज-गद्य-खंड

शुभ प्रभात!

आपका हर दिन मंगलमय हो एवं विशेष हो

आपको हमेशा खुशियाँ मिले!

आज के भाग-दौड़ भरे जीवन में स्वास्थ्य संकट विकराल रूप लेता जा रहा है और साथ ही अधिकांश लोग बहुत जटिल एवं भारी व्यायाम करने की स्थिति में भी नहीं लिखते हैं ऐसे में साइकिल सवारी एक वरदान से कम नहीं जिसके स्वास्थ्यवर्धक लाभ अनगिनत है आज के पर्यावरण संकट के दौर में तो इसका महत्व और भी
~~~~~~~~~~~~

अधिक बढ़ जाता है यह सच है कि साइकिल को 21वीं सदी का वाहन कहा गया है आज वैज्ञानिक शोध भी साइकिल सवारी के तमाम लोगों को सिद्ध कर रहे हैं और शायद अब समय इसके महत्व को हृदयंगम करने व इसको व्यापक स्तर पर अपनाए जाने का है। अतः आपसे अनुरोध है कि आप साइकिल की सवारी को अर्थात साइकिल को महत्व दें। यह हमारे पर्यावरण के लिए, हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण सवारी है। प्रिय छात्रों, अब चलते हैं हम अपने अध्ययन की ओर।

कल हमने पढ़ा जाबिर हुसैन की 'रचना सांवले सपनों की याद, का कुछ अंश पढ़ा। आज इस प्रकार आगे बढ़ते हैं।

<u>सांवले सपनों की याद</u>

--जाबिर हुसैन

सालिम अली ने अपनी आत्मकथा का नाम रखा था 'फॉल ए स्पैरो' मुझे याद आ गया डी. एच. लॉरेंस की मौत के बाद लोगों ने उनकी पत्नी फ्रीडा लॉरेंस से

अनुरोध किया कि वह अपने पति के बारे में कुछ लिखना चाहती ,तो ढेर सारी बातें लॉरेंस के बारे में लिख सकती थी लेकिन उसने कहा मेरे लिए लॉरेंस के बारे में कुछ लिखना असंभव -सा है. मुझे महसूस होता है मेरी छत पर बैठने वाली गौरैया लॉरेंस के बारे में ढेर सारी बातें जानती है। मुझसे भी ज्यादा जानती है। वह सचमुच इतना खुला-खुला और सादा दिल आदमी था, मुमकिन है लॉरेंस मेरी रगों में, मेरी हड्डियों में समाया हो। लेकिन मेरे लिए कितना कठिन है उसके बारे में अपने अनुभवों को शब्दों का जामा पहनाना। मुझे यकीन है मेरी छत पर बैठी गौरैया उसके बारे में और हम दोनों ही के बारे में मुझसे ज्यादा जानकारी रखती है।

क्रमशः

छात्र कार्य

- उद्धृत संस्मरण का शुद्ध- शुद्ध वाचन करें।
- कठिन शब्दों को लिखें व याद करें।

धन्यवाद

कुमारी पिंकी “कुसुम”